

तापमान
अधिकतम : 24°C
न्यूनतम : 08°C

बुद्धि
74,340.09
22,544.70

क्रिडा
88,200
99,000

shahtimes2015@gmail.com

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, शुक्रवार 7 मार्च 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 215 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

6 रमजान 1446 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें।
मुफ्त पढ़ें E-paper

छठा रोजा

ईमानदारी और अल्लाह की फरमाबरदारी की सीख देता है छठा रोजा

कुरआन पाक के पच्चीसवें पारे की सूरह शूरा की तिरालीसवीं आयत में जिक्र है जो सब करने वाले हैं और रहम करने वाले हैं वो बुलंद मर्तबे और अजुमत बहाने वाले हैं और रहम रास्ता है अजुमत का। सब, सीढ़ी है बुलंदी की, तो इसका सीधा-सा जवाब है कि मुकम्मल ईमानदारी और अल्लाह की फरमाबरदारी के साथ रखा गया रोजा और रोजेदार इसकी पहचान है। नैकनीयत और पाकीजगी के साथ रखे गए रोजे का नूर अलग ही चमकता है। जज्बा-ए-रहम रोजेदार की पाकीजा दौलत है और जज्बा-ए-सब्र रोजेदार की रुहानी ताकत है। कुरआन-पाक में अल्लाह को सब करने वाले का साथ देने वाला बताया गया है अल्लाह सब करने वालों के साथ है। रोजा इम्तिहान भी है और इतजाम भी। सब और संयम रोजेदार की कसीदी है इसलिए रोजा इम्तिहान है। सब की कसीदी पर रोजेदार का मयाब यानी खरा साबित हुआ तो इसका मतलब यह कि उसने आखिरत का इतजाम कर लिया।

मुकद्दस रमजान की दिली मुबारकबाद

कोहिनूर
आर्ट ज्वेलर्स
एक अनमोल रिश्ता

● ONLY HALLMARK & HUID CERTIFIED GOLD
JEWELLERY SHOWROOM
● LIFE TIME FREE SERVICE

सोना, चांदी के जेवरातों के क्रेता व विक्रेता

68- Majra, Dehradun (Uttarakhand)
Mob- 7830677750, 7900900991

गंगा सफाई गारंटी पर वादा भूल गए मोदी: खड्गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 साल पहले मां गंगा की सफाई के लिए 'नमामि गंगे योजना' शुरू करवा किया था कि वह गंगा को निर्मल बना दे, लेकिन सच यह है कि इस अभियान के लिए आर्बुट आभी राशि खर्च ही नहीं हुई और जो पैसा खर्च हुआ उससे गंगा साफ नहीं हुई। श्री खड्गे ने प्रधानमंत्री की गंगा के उदगम स्थल गंगोत्री की यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी जी ने कहा था कि उनको 'मां गंगा' ने बुलाया है' पर सच ये है कि उन्होंने गंगा सफाई की अपनी गारंटी को 'बुलाया' है।

पोर्ट स्टेनली से केपटाउन के लिए रवाना हुई तारिणी

नई दिल्ली। समुद्र के रास्ते दुनिया का चक्कर लगाने निकली नौसेना की दो महिला अधिकारियों की नौका तारिणी पोर्ट स्टेनली से अगले चरण में केप टाउन के लिए रवाना हो गई है।

अहिल्याबाई होल्कर सम्मान से 42 महिलाएं सम्मानित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम करने वाली 42 महिलाओं को गुरुवार को लोकमता अहिल्याबाई होल्कर महिला पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कमला अंबोबाई घर्मंडीराम गोवानी ट्रस्ट ने गुरुवार को यहां प्रधानमंत्री संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली इन महिलाओं को 2025 के लिए

उत्तराखंड में अब बारामासी रहेगा टूरिज्म: मोदी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हरिद्वार/उत्तरकाशी। एक दिवसीय शीतकालीन यात्रा पर गुरुवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुखवा और हरिद्वार से उत्तराखंड में शीतकालीन तीर्थारण और पर्यटन की जोरदार ब्रांडिंग की। उन्होंने तीर्थयात्रियों, पर्यटकों से लेकर कॉर्पोरेट और फिल्म उद्योग तक को विंटर सोजन में उत्तराखंड आने का निमंत्रण दिया।

उन्होंने उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म की ब्रांडिंग 'चाम तापो टूरिज्म' के तौर पर की है। हरिद्वार में जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने सबसे पहले बीते दिनों माणा में हुए हिमस्खलन में दिवंगत लोगों के प्रति

■ प्रधानमंत्री ने 'चाम तापो टूरिज्म' के तौर पर की उत्तराखंड विंटर टूरिज्म की ब्रांडिंग

दुख: व्यक्त किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि, आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत प्रोत है। उन्होंने उत्तराखंड से अपना आत्मवी लगवा, व्यक्त करते हुए कहा कि वो जीवनदायिनी मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल पर अपने परिवारजनों के बीच पहुंचकर धन्य महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मां गंगा की कृपा से ही उन्हें दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सीमायम मिला। मां गंगा के आशीर्वाद से ही वह काशी पहुंचे,



सांसद के रूप में काशी की सेवा कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कहा था कि मां

गंगा ने ही उन्हें काशी बुलाया है। उन्होंने दार्शनिक अंदाज में कहा कि

उन्हें कुछ महीने पहले अनुभूति हुई कि जैसे मां गंगा ने -शेष पृष्ठ दो पर

POK वापसी के बिना कश्मीर हल संभव नहीं

कश्मीर के सवाल पर जयशंकर ने पाकिस्तानी पत्रकार को दिया जवाब

लंदन, वार्ता

विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर मसले का एकमात्र बाकी हल पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले हिस्से की वापसी है।

डा. जयशंकर ने यहां चौथम हाउस में संवाद कार्यक्रम में एक पाकिस्तानी पत्रकार के जम्मू-कश्मीर के मसले के समाधान के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा कि हमने इसमें से अधिकांश को हल करने के लिए अच्छा काम किया है। अनुच्छेद 370 को हटाना, विकास और समृद्धि को बहाल करना, चुनाव आयोजित करना, जिसमें अभूतपूर्व मतदान दर्ज किया गया है। विदेश मंत्री ने कहा कि हम जिस चीज का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चोरी हुए हिस्से की वापसी है, जो अवैध पाकिस्तानी कब्जे में है। जब ऐसा किया जाएगा, तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, कश्मीर मसला हल हो जाएगा। पाकिस्तानी पत्रकार ने पूछा था कि अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शांति एवं बातचीत से विवादों के समाधान के पक्षधर हैं, तो क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कश्मीर के मसले के समाधान के लिए बात करेंगे। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के भारत पर प्रभाव से

■ कहा :
हमने इस क्षेत्र में अधिकांश मसले को हल करने के लिए अच्छा काम किया



संबंधित एक सवाल के जवाब में कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में हमने जो कुछ भी देखा है, वह वैसा ही है जैसी

भारत ने की खालिस्तानियों के हंगामे और राष्ट्रध्वज के अपमान की कड़ी निंदा

नई दिल्ली। भारत ने विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर की ब्रिटेन यात्रा के दौरान खालिस्तानी अलगाववादियों एवं आतंकवादियों द्वारा हंगामा और भारत के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किए जाने की कड़ी निंदा की है तथा ब्रिटिश सुरक्षा एजेंसियों की निष्क्रियता पर क्षोभ व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां मीडिया के सवालों पर कहा कि हमने विदेश मंत्री की ब्रिटेन की यात्रा के दौरान सुझा भंग के फूटने देखे हैं। हम अलगाववादियों और चरमपंथियों के सख्त समूह की भड़कावू गतिविधियों की निंदा करते हैं। हम ऐसे तत्वों द्वारा लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के दुरुपयोग को भर्त्सना करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसे मामलों में मेजबान सरकार अपने राजनयिक दायित्वों को पूरी तरह से पूरा करेगी। उल्लेखनीय है कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने लंदन में डा. जयशंकर का रास्ता रोकने का प्रयास किया, भारत विरोधी नारे लगाए तथा भारतीय ध्वज फाड़ दिया, जबकि वहां मौजूद स्थानीय सुरक्षा अधिकारी हस्तक्षेप करने की बजाय पूरी तरह से निष्क्रिय और उदासीन बने रहे।

उप्र विस के दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

लखनऊ। उप्र विधानसभा का बजट सत्र पूरा हो गया है। बजट सत्र के दौरान विधानसभा की कार्यवाही कुल 72 घंटे 56 मिनट तक चली। जबकि 3 घंटा 36 मिनट के लिए स्थगित हुई। इस दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चार दिन चर्चा हुई। इसमें 147 सदस्यों ने हिस्सा लिया। बजट पर साधारण चर्चा 4 दिन तक हुई। जिसमें कुल 94 सदस्यों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा 3 विधेयक पारित हुए। सत्र के समापन पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मुख्यमंत्री नेता सदन योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और समेत सभी दलीय नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा का प्रत्येक सदस्य इस सदन का ब्रांड एम्बेसडर है। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सदन में सदस्य जो भी वायदा अपने क्षेत्र में करें उसे पूरा जरूर करें।



■ एसटीएफ और पंजाब पुलिस ने भारी मात्रा में असलहा और गोला-बारूद बरामद

डेहरेनर, एक रूस निर्मित पिस्टल और 13 जीवित कारतूस के अलावा फर्जी आधार कार्ड बरामद किया गया है।

हर विपदा में प्रधानमंत्री हमारे साथ सदैव खड़े रहे: पुष्कर धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड पर जब भी कोई विपदा आई है, चाहे केदारनाथ यात्रा मार्ग पर आई प्राकृतिक आपदा, जोशीमठ में भूधंसाव, सिलक्यारा टनल हो या फिर अभी हाल ही में चमोली में माणा गांव के पास हुई हिमस्खलन की घटना हो।

प्रधानमंत्री हमारे साथ सदैव खड़े रहे हैं। मुख्यमंत्री ने चार हजार 81 करोड़ रुपये की लागत से गौरीकुंड से केदारनाथ और 27 सौ 30 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक रोप-वे निर्माण की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री का

आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों रोप-वे परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद तीर्थयात्रियों को आगमन के लिए सुगमता होगी और प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। श्री धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड की आर्थिक का एक प्रमुख आधार है। होटल व्यवसायियों से लेकर टैक्सी चालकों, स्थानीय दुकानदारों के साथ ही यात्रा से जुड़े हुए लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि शीतकाल में उत्तराखंड के चारों धामों के कपाट बंद होने के बाद इन सभी लोगों की आर्थिकी प्रभावित होती थी।

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार: योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार हर जरूरतमंद के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन के दौरान उन्होंने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि चिंता न कीजिए, समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। वहीं एक महिला ने परिवारीजन के इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई। इस पर योगी ने कहा कि एमिस्टमेंट मंगा लीजिए, सरकार मदद करेगी।

मुख्यमंत्री जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 250 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर यूपी सरकार को लगाई कड़ी फटकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज में 2021 में हुए एक बुलडोजर एक्शन को लेकर यूपी सरकार को आई हाथों लिया है। कोर्ट ने कहा है कि वह गिराए गए मकानों को सरकार के खर्च पर दोबारा बनवाने का आदेश दे सकता है।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि उन्हें नोटिस मिलने के कुछ घंटों के भीतर बुलडोजर चला दिया गया। जवाब देने या कानूनी बचाव का मौका तक नहीं दिया गया। रविवार, 7 मार्च 2021 को हुई इस कार्यवाई में प्रोफेसर अली अहमद और वकील जुल्फिकार हैदर समेत कुल 5 लोगों के मकान गिराए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट

■ अतीक से जुड़ी संपत्ति मानकर गिरा दिए थे मकान
■ वकील और प्रोफेसर के घरों को अवैध रूप से तोड़ने पर पुनर्निर्माण के लिए आदेश

को बताया कि उन्हें शनिवार, 6 मार्च की रात को नोटिस दिया गया। हालांकि नोटिस पर एक मार्च की

उदयनिधि स्टालिन को सुप्रीम राहत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सनातन धर्म पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करने को लेकर विवादों में घिरे तमिलनाडु के मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कण्गम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन को खिलाफ बिना इस अदालत की अनुमति नए आपराधिक मामलों दर्ज नहीं किए जाए। पीठ ने श्री स्टालिन के खिलाफ विभिन्न राज्यों में शुरू की गई सभी आपराधिक कार्यवाहियों को एक साथ करने की उनकी याचिका पर यह अंतरिम निर्देश पारित किया।

को बताया कि उन्हें शनिवार, 6 मार्च की रात को नोटिस दिया गया। हालांकि नोटिस पर एक मार्च की

तारीख लिखी थी। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि जिस जमीन पर यह मकान बने थे, वह लोग -शेष पृष्ठ दो पर

संत साहेब कविदेवताय नाम: **संत साहेब**

निमंत्रण पत्र

गरीब, अलल पंख अनुराग है, सुन मंडल रहे थीर।
दास गरीब उधारिया, सतगुरु मिले कबीर॥

जगतगुरु तत्वदर्शी
संत रामपाल जी महाराज
के सानिध्य में
आदरणीय **संत गरीबदास जी महाराज** का

बोध दिवस

के उपलक्ष्य में

संतगुरु रामपाल जी महाराज

इस महासमागम का आयोजन 09 से 11 मार्च 2025 को किया जा रहा है।

इस धार्मिक भंडारे में आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

सतलोक आश्रम वेदखेड़ी
मेरठ करनाल हाईवे पर, शामली उत्तरप्रदेश

इस विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आप हमारे सोशल मीडिया Platform पर भी देख सकते हैं जो निम्न हैं:-

LIVE STREAM Spiritual Leader Saint Rampal ji Sant Rampal Ji Maharaj @SaintRampaljiM

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :- 7668515064, 9758050561

निवेदक :- सतगुरु संत रामपाल जी महाराज की सर्व संगत

CMYK

[illegible]



सफलात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हाँकी उतराखंड के महाराज, गंगेन्द्र सिंह बाँफला ने कहा कि यह पद्योक्ति न केवल उतराखंड हाँकी के लिए एक मील का पथर है, बल्कि भाषिय में और बड़ों उपलव्यताओं की ओर एक कदम भी है। श्री बाँफला ने टीम के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन पर उनका श्रेष्ठ

हाँकी संघ ने सभी खिलाड़ियों, कोच और मैनेजर को इत्यय से बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलाता टीम की अद्वैत प्रयत्नबद्धता और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने टीम को भाषिय में भी उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने और उतराखंड की काश नारायण करने के लिए प्रेरित किया।

सम्पादकीय

शुक्रवार , 7 मार्च 2025

चीन की प्रतिक्रिया

आखिर वही हुआ जिसकी आशंका व्यक्त की जा रही थी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी योजना के अनुसार उन देशों पर भारी टैरिफ लगाना शुरू कर दिया, जिनके विषय में वह पहले से ही कहते रहे हैं। उनकी योजना दो अप्रैल से शुरू हो जाएगी। इस समय उनके निशाने पर मैक्सिको, कनाडा, भारत, चीन मुख्य रूप से हैं। हालांकि उनकी योजना उन सभी देशों के लिए है, जो अमेरिका के उत्पादों पर टैरिफ लगाते रहे हैं। ट्रम्प का मानना है कि वह टैरिफ के मामले में किसी पर भी रियायत नहीं करेंगे और जैसे को तैसे की भाषा में जवाब देंगे। जहां तक बात मैक्सिको व कनाडा की है, उन पर तो टैरिफ लगाने की बात समझ में आती है लेकिन भारत जैसा मित्र देश जो अमेरिकी उत्पादों को लेकर इस समय काफी नर्मी दिखाता रहा है और अभी तक उसने अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ को लेकर किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है उससे भी पता चलता है कि भारत अमेरिका के साथ किसी तरह का व्यापारिक टकराव नहीं चाहता, जबकि मैक्सिको, कनाडा और चीन ने अमेरिका के साथ टैरिफ युद्ध में चुनौती देनी शुरू कर दी है और बदले में यह देश भी अमेरिका के उत्पादों पर शुल्क लगा रहे हैं। अब यह लड़ाई कहाँ तक जाएगी या व्यापार तक ही सीमित रहेगी या व्यापार से आगे भी निकल सकती है, क्योंकि जैसी कठोर प्रतिक्रिया इस समय चीन की तरफ से देखने को मिली है, वह दुनिया के लिए ठीक नहीं है। चीन ने यहां तक कह दिया है कि वह अमेरिका के साथ युद्ध में हर हद तक जाएगा। चाहे व्यापारिक युद्ध हो चाहे अन्य कोई और, वह पूरे दम-खम के साथ अमेरिका से लड़ेगा। जिस तरह चीन ने अपना एकाएक 7.2 प्रतिशत अपना रक्षा बजट बढ़ाया है, वह भी चीन के वाला है। इस समय कुल बजट की बात करें, तो चालू वर्ष में जहां अमेरिका का रक्षा बजट 890 अरब डॉलर है, तो वहीं चीन का 249 अरब डॉलर है यानि अमेरिका के बाद केवल दुनिया में चीन ही है, जो रक्षा बजट के मामले में दूसरा नंबर रखता है। जहां तक बात भारत की है, भारत का रक्षा बजट चीन से भी काफी कम है। जोकि 78.8 अरब डॉलर है। मतलब साफ है कि चीन अपना रक्षा बजट बढ़ाकर अमेरिका को सीधे चुनौती तो नहीं लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से चुनौती पेश कर रहा है कि वह उसे हल्के में न ले। इस टैरिफ वॉर में कौन घाटे में जाएगा और किसको लाभ होगा, यह तो उस समय पता चलेगा, जब इस संबंध में आंकड़े सामने आएंगे और ये आंकड़े आने में अभी काफी लंबा समय लगेगा। अभी तो केवल शुरुआतभर ही है इसलिए अभी जल्दबाजी में कुछ नहीं कहा जा सकता। वैसे ट्रम्प जिस तरह फैसले ले रहे हैं, उसने विश्व को जरूर एक नई पैचीदा स्थिति में डाल दिया है। सबसे बड़ी यह मुश्किल पैदा कर रही है वह उनके फैसले लेने का स्वभाव है। अब देखना है कि दुनिया पर उनके फैसलो का क्या प्रभाव पड़ता है।

मोदी ने गंगा सफाई की गारंटी को गुलाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 साल पहले मां गंगा की सफाई के लिए नमामि गंगा योजना शुरू कर वादा किया था कि वह गंगा को निर्मल बना देंगे, लेकिन सच यह है कि इस अभियान के लिए आवंटित आधी राशि खर्च हो नहीं हुई और जो पैसा खर्च हुआ, उससे गंगा साफ नहीं हुई, मोदी जी ने कहा था कि उनको मां गंगा ने बुलाया है, पर सच ये है कि उन्होंने गंगा सफाई की अपनी गारंटी को भुलाया है, करीब 11 वर्ष पहले, 2014 में, नमामि गंगे योजना शुरू की गई थी, योजना में मार्च 2026 तक 42,500 करोड़ रुपये की राशि इस्तेमाल की जानी थी, पर संसद में गंगा से संबंधित सवालों के जवाब से पता चलता है कि दिसम्बर 2024 तक केवल 19,271 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यानी मोदी सरकार ने नमामि गंगे योजना के लिए आवंटित 55 प्रतिशत राशि खर्च ही नहीं की।

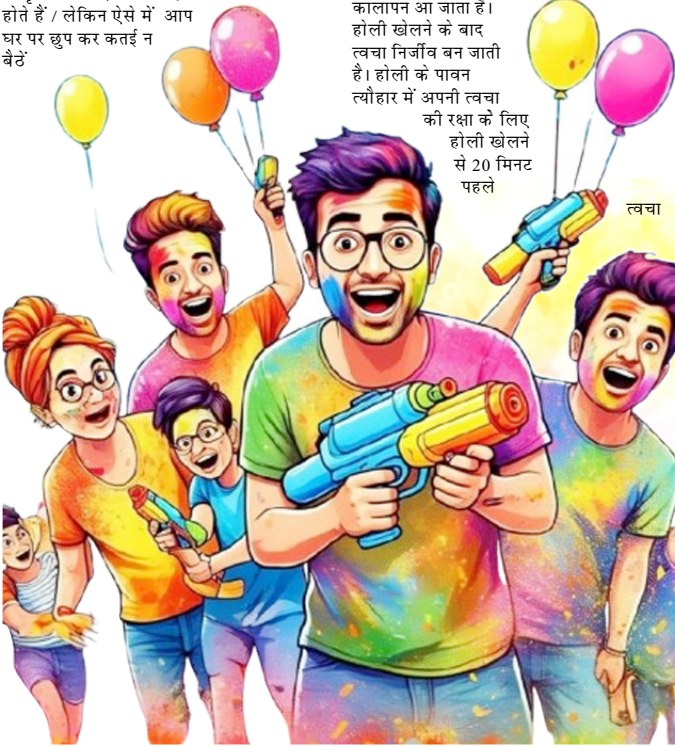


मल्लिकार्जुन खड़गे
अध्यक्ष, कांग्रेस

सलाह: होली के दौरान बालों तथा त्वचा की देखभाल जरूरी

‘बुरा न मानो होली है’ कहकर रंग फेंकने वाले अलहड़ युवक-युवतियों की टोलियों पिचकारी, गुब्बारों, डाई व गुलाल में बाजार में बिकने वाले जिन रंगों का प्रयोग करते हैं उसमें हानिकारक रासायन मिले होते हैं

/अगर आप कॉलोनी के पार्क में खुशनुमा माहौल में दिल खोल कर होली खेलना चाहते हैं तो जमकर रंग खेलने के बाद चुटकियों में रंग छुड़ाने के तरीके बता रही हैं सौंदर्य शहनाज हुसैन होली का त्यौहार ज्यादातर खुले आसमान में खेला जाता है जिससे सूर्य की गर्मी से भी त्वचा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। खुले आसमान में हानिकारक यू.वी. किरणों के साथ-साथ नमी की कमी की वजह से त्वचा के रंग में कालापन आ जाता है। होली खेलने के बाद त्वचा निर्जीव बन जाती है। होली के पावन त्यौहार में अपनी त्वचा की रक्षा के लिए होली खेलने से 20 मिनट पहले



पर 20 एस.पी.एफ. सनस्क्रीन का लेप कीजिए। यदि आपको त्वचा पर फोंडे, फन्सियां आदि हैं तो 20 एस.पी.एफ. से ज्यादा दर्ज की सनस्क्रीन का उपयोग करना चाहिए। ज्यादातर सनस्क्रीन में माइस्चराइजर ही विद्यमान होता है। यदि आपकी त्वचा अत्यधिक शुष्क हैं तो पहले सनस्क्रीन लगाने के बाद कुछ समय इंतजार करने के बाद ही त्वचा पर माइस्चराइजर का लेप करें। आप अपनी बाजू तथा सभी खुले अंगों पर माइस्चराइजर लोशन या क्रीम का उपयोग करें। होली खेलने से पहले सिर में बालों पर हेयर सीरम या कंडीशनर का उपयोग करें।

इससे बालों को गुलाल के रंगों की वजह से पहुंचने वाले सुखेपन से सुरक्षा मिलेगी तथा सूर्य की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाव मिलेगा। आजकल बाजार में सनस्क्रीन सहित हेयर क्रीम आसानी से उपलब्ध हो जाती है। थोड़ी से हेयर क्रीम लेकर उसे दोनों हथेलियों पर फैलाकर बालों की हल्की-हल्की मालिश करें। इसके लिए आप विशुद्ध नारियल तेल की बालों पर मालिश भी कर सकते हैं। इससे भी रसायनिक रंगों से बालों को होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। होली के रंगों से नाखूनों को बचाने के लिए नाखूनों पर नेल वार्निश की मालिश करनी चाहिए। होली खेलने के बाद त्वचा तथा बालों पर जमें रंगों को हटाना काफी मुश्किल कार्य है। उसके लिए सबसे पहले चेहरे को बार-बार साफ निर्मल जल से धोएं तथा इसके बाद क्लीजिंग क्रीम या लोशन का लेप कर लें तथा कुछ समय बाद इसे गीले काटन वूल से धो डालें। आंखों के इर्द गिर्द को क्षेत्र को हल्के-हल्के साफ करना न भूलें। क्लीजिंग जेल से चेहरे पर जमें रंगों को धुलने तथा हटाने में काफी मदद मिलती है। अपना घरेलू क्लीनजर बनाने के लिए आधा कप उड़ें दूध में तिल, जैतून, सूर्यमुखी या कोई भी वनस्पति तेल मिला लीजिए। काटन वूल पैड को इस मिश्रण में डुबाकर त्वचा को साफ करने के लिए उपयोग में लाएं। शरीर से रसायनिक रंगों को हटाने में तिल के तेल की मालिश महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। इससे न केवल रसायनिक रंग हट जाएंगे बल्कि त्वचा को अतिरिक्त सुरक्षा भी मिलेगी। तिल के तेल की मालिश से सूर्य की किरणों से हुए नुकसान को भरपाई में मदद मिलती है। नहाते समय शरीर को लूफ या वाश कपड़े को मदद से स्क्रब कीजिए तथा



शहनाज हुसैन

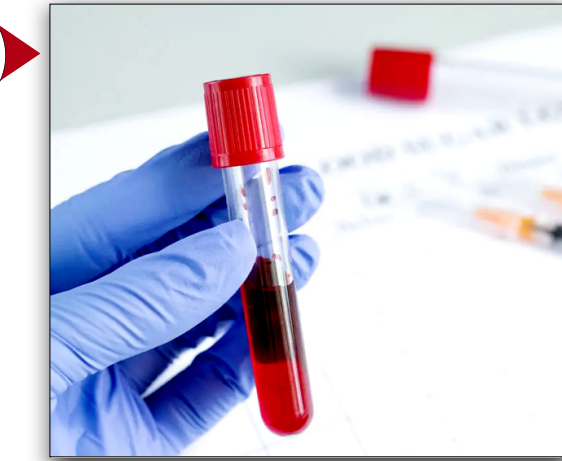
नहाने के तत्काल बाद शरीर तथा चेहरे पर माइस्चराइजर का उपयोग कीजिए। इससे शरीर में नमी बनाए रखने में मदद मिलेगी। यदि त्वचा में खुजली है तो पानी के मग में दो चम्मच सिरका मिलाकर उसे त्वचा पर उपयोग करें तथा इससे खुजली खत्म हो जाएगी। इसके बाद भी त्वचा में खुजली जारी रहती है तथा त्वचा पर लाल चकत्ते तथा दांते उभर आते हैं तो आपको त्वचा को रंगों से एलर्जी हो गई तथा इसके लिए आपको डाक्टर से आवश्यक सलाह मशवरा जरूर कर लेना चाहिए। बालों को साफ करने के लिए बालों में फंस से सुखे रंगों तथा माईका को हटाने के लिए बालों को बार-बार सादे ताजे पानी से धोते रहिए। इसके बाद बालों को हल्के हर्बल शैम्पू से धोएं तथा उंगलियों की मदद से शैम्पू को पूरे सिर पर फैला लें तथा इसे पूरी तरह लगाने के बाद पानी से अच्छी तरह धो डालिए। बालों की अंतिम धुलाई के लिए बियर को अंतिम हथियार के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। बीयर में नींबू का जूस मिलाकर शैम्पू के बाद सिर पर उड़ेल लें। इसे कुछ मिनट बालों पर लगा रहने के बाद साफ पानी से धो डालें। होली के अगले दिन दो चम्मच शहद को आधा कप दही में मिलाकर थोड़ी सी हल्दी में मिलाए तथा इस मिश्रण को चेहरे, बाजू तथा सभी खुले अंगों पर लगा लें। इसे 20 मिनट लगा रहने दें तथा बाद में साफ ताजे पानी से धो डालें। इससे त्वचा से कालापन हट जाएगा तथा त्वचा मुलायम हो जाएगी। होली के अगले दिनों के दौरान अपनी त्वचा तथा बालों को पोषाहार तत्वों की पूर्ति करें। एक चम्मच शुद्ध नारियल तेल में एक चम्मच अरण्डी का तेल मिलाकर इसे गर्म करके अपने बालों पर लगा लीजिए। एक तौलिए को गर्म पानी में भिगाएं कर पानी को निचोड़ दीजिए तथा तौलिये को सिर पर लपेट लीजिए तथा इसे 5 मिनट तक पगड़ी की तरह सिर पर बंधा रहने दीजिए। इस प्रक्रिया को 4-5 बार दोहराईए इसे खोपड़ी पर तेल को जमाने में मदद मिलती है। एक घण्टा बाद बालों को साफ ताजे पानी से धो डालिए। (लेखिका-अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ है तथा हर्बल क्वीन के नाम से लोकप्रिय है)

एआई: एक रक्त परीक्षण से कई बीमारियों का निदान...

वर्तमान में आत्म-प्रतिरक्षा बीमारियों या वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए कई परीक्षण और विशेषज्ञ परामर्श की जरूरत होती है जिससे निदान में देरी हो सकती है लेकिन यह एआई दूल केवल एक रक्त परीक्षण से सटीक परिणाम दे सकता है, इसके अलावा कुछ बीमारियों के लिए कोई पक्के नैदानिक परीक्षण नहीं होते, जिससे उन्हें शुरुआती चरण में पहचानना कठिन होता है

कल्पना कीजिए कि सिर्फ एक रक्त परीक्षण से कोविड-19, एचआईवी, मधुमेह और आत्म-प्रतिरक्षा संबंधी बीमारियों की जांच हो जाती है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) दूल विकसित किया है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली की प्रतिक्रिया का विश्लेषण कर एक साथ कई बीमारियों का पता लगा सकता है। साईंस पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में लगभग 600 लोगों पर इस एआई दूल का परीक्षण किया गया। पता चला कि यह दूल सटीक रूप से पहचान सकता है कि व्यक्ति स्वस्थ है, वायरल संक्रमण से जुड़ा रहा है या आत्म-प्रतिरक्षा रोग से ग्रसित है। इतना ही नहीं, इससे यह भी पता चल सकता है कि व्यक्ति ने हाल ही में पसू का टीका लिया है या नहीं, जो इसकी अतीत और वर्तमान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को समझने की क्षमता को दर्शाता है। वास्तव में हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली एक मेमोरी बैंक की तरह काम करती है जो हर संक्रमण, टीकाकरण और बीमारी का रिकॉर्ड रखती है। इसमें दो मुख्य घटक होते हैं। 'बी' कोशिकाएं जो हानिकारक वायरस से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाती हैं और 'टी' को शिकाएं जो संक्रमित कोशिकाओं को नष्ट करती हैं या अन्य प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को सक्रिय करती हैं। जब किसी व्यक्ति को कोई संक्रमण या आत्म-प्रतिरक्षा रोग होता है तो 'बी' और 'टी' कोशिकाओं की संख्या बढ़ जाती है और वे अपनी सतह पर विशेष ग्राही बनाती हैं, जो संक्रमण की पहचान और प्रतिक्रिया में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों ने इन ग्राहियों को बनाने वाले जीन्स का अनुक्रमण किया ताकि बीमारियों का एक विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जा सके। इसके बाद, एआई दूल ने इन जीन अनुक्रमों का विश्लेषण करने के लिए छह मशीन-लर्निंग मॉडल का उपयोग किया और अलग-अलग बीमारियों से जुड़े पैटर्न की पहचान की। वर्तमान में, आत्म-प्रतिरक्षा बीमारियों या वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए कई परीक्षण और विशेषज्ञ परामर्श की जरूरत होती है, जिससे निदान में देरी हो सकती है। लेकिन यह एआई दूल केवल एक रक्त परीक्षण से सटीक परिणाम दे सकता है। इसके अलावा कुछ बीमारियों के लिए एक पक्के नैदानिक परीक्षण नहीं होते, जिससे उन्हें शुरुआती चरण में पहचानना कठिन होता है। यह एआई दूल प्रतिरक्षा प्रणाली की गतिविधियों को पढ़कर उन छिपी हुई बीमारियों को भी पकड़ सकता है, जिन्हें पारंपरिक

सक्रिय करती हैं। जब किसी व्यक्ति को कोई संक्रमण या आत्म-प्रतिरक्षा रोग होता है तो 'बी' और 'टी' कोशिकाओं की संख्या बढ़ जाती है और वे अपनी सतह पर विशेष ग्राही बनाती हैं, जो संक्रमण की पहचान और प्रतिक्रिया में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों ने इन ग्राहियों को बनाने वाले जीन्स का अनुक्रमण किया ताकि बीमारियों का एक विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जा सके। इसके बाद, एआई दूल ने इन जीन अनुक्रमों का विश्लेषण करने के लिए छह मशीन-लर्निंग मॉडल का उपयोग किया और अलग-अलग बीमारियों से जुड़े पैटर्न की पहचान की। वर्तमान में, आत्म-प्रतिरक्षा बीमारियों या वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए कई परीक्षण और विशेषज्ञ परामर्श की जरूरत होती है, जिससे निदान में देरी हो सकती है। लेकिन यह एआई दूल केवल एक रक्त परीक्षण से सटीक परिणाम दे सकता है। इसके अलावा कुछ बीमारियों के लिए एक पक्के नैदानिक परीक्षण नहीं होते, जिससे उन्हें शुरुआती चरण में पहचानना कठिन होता है। यह एआई दूल प्रतिरक्षा प्रणाली की गतिविधियों को पढ़कर उन छिपी हुई बीमारियों को भी पकड़ सकता है, जिन्हें पारंपरिक



जांचें नहीं ढूँढ पातीं। इसके साथ ही, यदि डॉक्टर किसी व्यक्ति के प्रतिरक्षा इतिहास को समझ पाएँ, तो वे व्यक्तिगत उपचार योजनाएं बना सकते हैं और गंभीर लक्षण प्रकट होने से पहले ही बीमारी पकड़ सकते हैं। यह दूल बहुत सशक्त है क्योंकि प्रतिरक्षा

प्रणाली अपने आप में एक नैसर्गिक निदान है। यदि हम इसे पूरी तरह समझ लें तो यह बहुत मददगार होगी। लेकिन अभी इस दूल को विश्व भर में और बड़े पैमाने पर परखने की जरूरत है ताकि यह सटीक और बेहतर हो सके।

स्रोत फीसर्स

‘छावा’ की रिलीज के बाद औरंगजेब को लेकर गहराता विवाद !

वॉक्स ऑफिस की ब्लॉक बस्टर फिल्म छावा की रिलीजिंग के बाद से देश भर में मुलम बादशाह औरंगजेब का विरोध हो रहा है। इसी बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अबु आजमी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। औरंगजेब की तारीफों के पुल बांधकर अबू बुरी तरह से फंस गए हैं। महाराष्ट्र में अबू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई है। सोशल मीडिया पर भी कई लोग अबु के बयान पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक आजमी ने दावा किया, हमारा जीडीपी विश्व सकल घरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत था और भारत को (औरंगजेब के समय) सोने की चिड़िया कहा जाता था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अबू आजमी के बयान इस बयान के बाद काफी ज्यादा भड़क गए थे। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज को जिसने 40 दिनों तक बंधक बनाकर मारा, वह उत्तम प्रशासक कैसे हो सकता है? एकनाथ शिंदे के अलावा शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने अबू आजमी के इस बयान पर नाराजगी जाहिर की है। ररअसल, अबू आजमी ने बॉलीवुड फिल्म छावा के संदर्भ में कहा कि सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनाए और वह क्रूर नेता नहीं था। सपा के विधायक ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता के लिए थी। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई सत्ता के लिए थी। अगर कोई कहता है कि यह लड़ाई धर्म के लिए थी, तो मैं इस पर विश्वास नहीं करता। उस समय के राजा सत्ता और संपत्ति के लिए संघर्ष करते थे, लेकिन यह धार्मिक नहीं था। उसने (औरंगजेब ने) 52 साल तक शासन किया, और अगर वह वाकई हिंदुओं को मुसलमान बना रहा था- तो कल्पना कीजिए कि कितने हिंदुओं ने धर्म परिवर्तन किया होगा। उन्होंने कहा कि अगर औरंगजेब रहनुवतुल्लाह ने चाँह तोड़े थे, तो उसने मस्जिदें भी तोड़ी थीं। अगर वह हिंदुओं के खिलाफ होता, तो 34 प्रतिशत हिंदू उसके साथ नहीं होते, और उसके सलाहकार हिंदू नहीं होते। इसे हिंदू-मुस्लिम एंगल



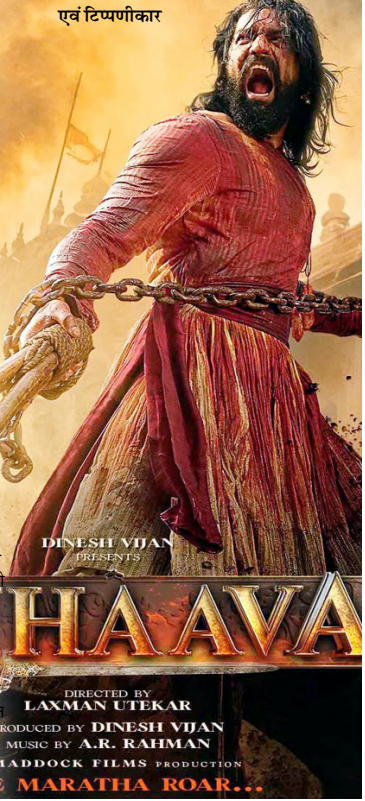
अशोक माटिया

66 सपा के विधायक ने कहा: छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच लड़ाई धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता के लिए थी

देने की कोई जरूरत नहीं है। यह देश संविधान से चलेगा, और मैंने हिंदू भाइयों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा है। इस बीच, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सदस्यों ने मुंबई और ठाणे शहर में आजमी के खिलाफ दो शिकायतें दर्ज कराईं। इसके बाद ठाणे में एक प्राथमिकी दर्ज की गई। महाराष्ट्र में यह पहला मौका नहीं है जब औरंगजेब का जिन कब्र से निकला हो। कुछ दिनों से औरंगजेब के नाम का पूत कुछ युवाओं के सिर पर चढ़कर बोल रहा है। ये युवा औरंगजेब का स्टेटस अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगा रहे हैं, जिसकी वजह से पुलिस को सोशल मीडिया अकाउंट पर लगा रहे हैं। हाल ही में मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाके से एक मामला सामने आया जहां पर एक शख्स ने अपने इंस्टाग्राम पर टीपू सुलतान और औरंगजेब का फोटो इस्तेमाल कर एक वीडियो रील बनाई और उसे अपलोड की जिसमें उसने कहा की :कोई यह मत समझना की हम खत्म हो गए, हम फिर आएंगे वही दौर लेकर यह वीडियो जैसे ही वायरल हुआ उपपर विश्व हिंदू परिषद से जुड़े एक कार्यकर्ता की नज़र पड़ी,

जिसके बाद उसने इस बात की जानकारी दूसरे लोगों को दी और फिर इस मामले की वजह से शहर का लौ एंड ऑर्डर खराब न हो इस वजह से विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने पुलिस का रुख किया। भायंदर पुलिस स्टेशन के इशारे से जांच अधिकारी अनिल करे ने बताया कि 23 अगस्त के दिन विश्व हिंदू परिषद के ज़िला मंत्री नांगनाथ कांबले ने शिकायत दी की, जिसमें उन्होंने बताया कि एक साहिल नाम का लड़का है, जिसने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर औरंगजेब और टीपू सुलतान इन दोनों का एक वीडियो बनाया रील बनाया है और उसे शेयर किया है, और आगे बताया कि जिसके बाद हमने उसे देखकर वेरिफाई किया और सीनियर अधिकारियों से बातचीत कर हमने एफआईआर दर्ज की है, यह एफआईआर आईपीसी की धारा 153(ए) और 34 के तहत दर्ज किया है, एफआईआर दर्ज कर हमने साहिल का पता लगाया और उसे भायंदर इलाके से गिरफ्तार किया, इस मामले दानिश नाम के दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

आपको बता दें की बीते कुछ महीनों में ऐसे ही कुछ मामले महाराष्ट्र के कोल्हापुर, अहमदनगर, धुले और नासिक से भी सामने आये हैं। इसी साल महाराष्ट्र के अहमदनगर के संगमनेर तालुका में औरंगजेब की तारीफ में पोस्टर लगाने की घटना सामने आई थी वहां विविध प्रदर्शन किया गया था। ये पहली घटना थी, जिसके बाद प्रदर्शन के बाद अज्ञात लोगों की ओर से पथराव हुआ जिसमें दो लोग घायल हो गए थे और कई गाड़ियों को भी नुकसान हुआ था। पोस्टर के बाद तुरंत दूसरे दिन यानी की 7 जून के दिन कुछ लोगों ने कोल्हापुर में औरंगजेब और टीपू सुलतान का स्टेटस अपने सोशल मीडिया पर रखा था। ये दूसरी घटना थी, जिसके बाद आज कुछ हिंदू संगठन इसके विरोध प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए थे और पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग की लेकर 'कोल्हापुर बंद' का आयाज किया इसी बीच प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति पैदा हुई थी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक व टिप्पणीकार)



बालों के झड़ने को कहीं अलविदा, ये जादुई तेल बालों को बनाएगा मजबूत और लंबा

आजकल बढ़ते प्रदूषण, अनहेल्दी लाइफस्टाइल, खानपान और तनाव की वजह से लोग कई समस्याओं का सामना करते हैं। तो इन्हीं के कारण बाल झड़ने और हेयर ग्रोथ की समस्या भी बढ़ती जा रही है। इसलिए लोग बालों की केयर के लिए तरह-तरह के हेयर ट्रीटमेंट्स और कैमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। जो बालों को अधिक खराब कर देते हैं। ऐसे में आप घरेलू नुस्खों का सहारा लेकर हेयर फॉल की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इससे आपके बाल नेचुरल तरीके से लंबे और घने दिखेंगे। अगर आप भी बालों के झड़ने के साथ हेयर ग्रोथ रुक जाने की समस्या से परेशान हैं, तो आज हम आपको एक होममैड तेल बनाने के तरीके के बारे में बताते जा रहे हैं।

हेयर ऑयल सामग्री...

- बेरी बेरी लीक्स – 6-7 पतियां
- करी पत्ता – 6-7 पतियां
- कलौजी – 1 टेबलस्पून
- काले तिल – 1 टेबलस्पून
- नारियल तेल – 1 बड़ी कटोरी
- विटामिन – ई कैप्सूल – 2
- अरंडी का तेल – 2 टेबलस्पून

ऐसे बनाएं...

- एक स्टील के बर्तन में नारियल का तेल निकाल लें।
- फिर गैस पर नारियल के तेल को पिघला लें और गैस धीमी रखना है।
- तेल पिघल जाने के बाद उसमें करी पत्ता, काले तिल, बेरी-बेरी लीक्स और कलौजी डालकर अच्छे से पका लें।
- इस तेल को तब तक खीलाएं जब तक यह आधा न रह जाए।
- इस प्रक्रिया में करीब 1 घंटे का समय लग सकता है।
- तब तेल पककर आधा रह जाए, तो इसमें विटामिन ई के कैप्सूल और अरंडी का तेल मिला दें।
- इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं और गैस बंद कर दें।
- जब बर ठंडा हो जाए, तो छलनी की मदद से छानकर इसे डिब्बे में स्टोर कर लें।

कैसे करें इस्तेमाल...

बता दें कि सप्ताह में दो बार आप इस तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं बाल धोने से एक दिन पहले अच्छे से इस तेल से सिर की मालिश करें। जिससे कि पूरी रात तेल अच्छे से बालों को जड़ों तक पहुंच जाए। फिर अगले दिन सुबह उठकर शैपू से बाल धो डालें।

टोक्यो में दो जुड़ी हुई बुलेट ट्रेनें अलग हुईं, सेवाएं बाधित

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो में एक स्टेशन के पास गुरुवार को दो जुड़ी हुई शिकानसेन बुलेट ट्रेनें अलग हो गईं, जिसके बाद उन्हें आपातकालीन स्थिति में रोका गया, जिससे पूर्वी जापान में बुलेट ट्रेन सेवाएं कुछ समय के लिए बाधित रही। पूर्वी जापान रेलवे (जेआर ईस्ट) ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि तोहोको शिकानसेन लाइन पर एक हायाबुसा ट्रेन और एक कोमाची ट्रेन स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे टोक्यो स्टेशन से प्रस्थान किया और बाद में उन्हें अलग होकर अलग-अलग स्थानों तक की यात्रा करनी थी। हायाबुसा को तोहोको

घटना के समय ट्रेन में सवार थे 650 यात्री

स्टेशन के पास जांच के लिए रोका गया। रेलवे संचालक ने बताया कि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। उसने बताया कि घटना के समय ट्रेन में करीब 650 यात्री सवार थे। दस कोच वाली हायाबुसा और सात कोच वाली कोमाची ने स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे टोक्यो स्टेशन से प्रस्थान किया और बाद में उन्हें अलग होकर अलग-अलग स्थानों तक की यात्रा करनी थी। हायाबुसा को तोहोको

शिकानसेन लाइन पर शिनाओमोरी स्टेशन और कोमाची को अकिता शिकानसेन लाइन पर अकिता तक की यात्रा करनी थी। जेआर ईस्ट ने बताया कि घटना के बाद तोहोको, अकिता, यामागाटा, होक्कुरिकु और जोएत्सु शिकानसेन लाइनों पर बुलेट ट्रेन सेवाओं को कुछ खंडों पर निलंबित कर दिया गया था। स्थानीय समयानुसार अपराह्न करीब 2:30 बजे के परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया।



ईरान ने ब्रिटेन की सुरक्षा को खतरे का दावा किया खारिज

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बगेई ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन की सुरक्षा रियों का यह दावा कि तेहरान ब्रिटेन की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालना चाहता है, पूर्णतः निराधार है। बगेई ने मंगलवार को ब्रिटेन की संसद में संबोधन के दौरान ब्रिटेन के रक्षा मंत्री डैन जार्विस की ईरान विरोधी टिप्पणियों के जवाब में ईरानी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह खंडन किया। जार्विस ने कहा कि वह पूरे ईरान को, जिसमें उसकी खुफिया सेवाएं, इस्लामिक

रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और खुफिया मंत्रालय शामिल हैं, खुफिया विदेशी प्रभाव से रक्षा के लिए डिजाइन किए गए आगामी विदेशी प्रभाव पंजीकरण योजना के उन्नत स्तर में रखेंगे। उन्होंने ब्रिटिश अधिकारियों से आग्रह किया कि ब्रिटेन अपनी टकरावपूर्ण नीतियों पर जोर देने और ईरान के विरुद्ध निराधार आरोप लगाने के बजाय ईरानी लोगों को विरुद्ध अपनी गलत नीतियों को त्याग दे तथा आतंकवाद को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना बंद कर दे।

अमेरिकी टैरिफ का माकूल जवाब देगा ईयू

मॉस्को/वाशिंगटन। यूरोपीय संघ अमेरिकी टैरिफ के लिए जवाब तैयार कर रहा है, लेकिन अभी भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को यह कदम उठाने से रोकने की कोशिश कर रहा है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने यह बात कही। मैक्रों ने बीएफएम टीवी द्वारा प्रसारित भाषण में कहा, हमें तैयार रहना चाहिए अगर अमेरिका यूरोपीय वस्तुओं पर टैरिफ लगाता है, जैसा कि उसने अभी कनाडा और मैक्सिको के साथ किया है। यह निर्णय हमारे और अमेरिकी अर्थव्यवस्था दोनों के लिए अस्पष्ट है और हमारे कुछ उद्योगों पर इसके परिणाम होंगे। हम भी इसका उत्तर

फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा: हमें भी तैयार रहना चाहिए डब्ल्यूटीओ ने की अमेरिकी टैरिफ पर कनाडा की शिकायत की पुष्टि

दिए बिना नहीं रहेंगे, जबकि हम अपने यूरोपीय भागीदारों के साथ जवाब तैयार करते हैं, हम अमेरिकी राष्ट्रपति को मनाने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखते हैं। ट्रम्प ने फरवरी में कहा कि उनका प्रशासन बहुत जल्द यूरोपीय संघ से आयात पर नए 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करेगा, जिसमें ऑटोमोबाइल भी शामिल हैं। इसी बीच विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने बुधवार को कहा कि उसे अमेरिकी टैरिफ पर कनाडा की शिकायत प्राप्त हुई है, जिसमें विवाद परामर्श का अनुरोध किया गया है। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने मंगलवार को कहा कि उनका देश अमेरिका द्वारा कनाडा में उत्पादित सभी गैर-ऊर्जा वस्तुओं पर 25 प्रतिशत और ऊर्जा वस्तुओं पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने के खिलाफ

डब्ल्यूटीओ में शिकायत दर्ज करेगा। डब्ल्यूटीओ ने कहा, कनाडा ने कनाडा में उत्पादित वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा लागू किए गए नए टैरिफ उपायों के बारे में अमेरिका के साथ डब्ल्यूटीओ विवाद परामर्श का अनुरोध किया है। कनाडा ने दावा किया है कि अमेरिकी टैरिफ 1994 के टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते के साथ-साथ व्यापार सुविधा समझौते के विभिन्न प्रावधानों के साथ असंगत हैं। संगठन ने कहा कि शिकायत बुधवार को डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों के बीच प्रसारित की गई थी। परामर्श के लिए अनुरोध डब्ल्यूटीओ में औपचारिक विवाद शुरू करने का पहला कदम है। यदि पक्षकार 60 दिनों के भीतर विवाद को हल करने में विफल रहते हैं, तो मुकदमा चलाया जाता है।

परमाणु शस्त्रागार से यूरोपीय सहयोगियों को सुरक्षा देगा फ्रांस

फ्रांस 6 मै विश्वास करता हूँ कि अमेरिका हमारे पक्ष में रहेगा, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है, तो हमें इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है: मैक्रों

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस परमाणु शस्त्रागार का सुरक्षा कवच अपने यूरोपीय सहयोगियों तक बढ़ाने पर विचार करेगा, साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यूरोप को इस बात के लिए तैयार रहना चाहिए कि यूक्रेन-रूस युद्ध में अमेरिका की हवाई साक्ष्य खड़ा नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मैक्रों ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया चैनलों पर लाइव प्रसारण में कहा, मैंने यूरोपीय महाद्वीप पर अपने सहयोगियों की सुरक्षा

के लिए हमारे प्रतिरोध पर रणनीतिक बहस शुरू करने का निर्णय लिया है। इस दौरान उन्होंने यूरोप द्वारा यूक्रेन की सहायता जारी रखने तथा अपनी रक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। मैक्रों ने फ्रांस के परमाणु शस्त्रागार के बारे में कहा, हमारा परमाणु प्रतिरोध हमारी रक्षा करता है, यह पूर्ण, संप्रभु, शुरूआत से अंत तक फ्रांसीसी है। यह हमारे कई पड़ोसियों की तुलना में हमारी बहुत अधिक रक्षा करता है। उन्होंने कहा, जो कुछ भी हो, निर्णय हमेशा गणराज्य के राष्ट्रपति, सेना के

कमांडर के हाथों में रहा है और रहेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यूरोप एक नए युग में प्रवेश कर रहा है और रूस से खतरे के प्रति दर्शकों बने मूर्खता होगी। मैक्रों ने कहा, हमारे सहयोगी अमेरिका ने इस युद्ध पर अपनी स्थिति बदल दी है, यूक्रेन का कम समर्थन कर रहा है और आगे क्या होगा, इस पर संदेह उत्पन्न कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं यह विश्वास करना चाहता हूँ कि अमेरिका हमारे पक्ष में रहेगा, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हमें इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है।

अगले सप्ताह पेरिस में होगी बैठक

मैक्रों ने कहा कि हालांकि फ्रांस, नाटो और अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी दोनों के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन उसे अपनी रक्षा और सुरक्षा के मामलों में स्वतंत्रता को मजबूत करने के लिए और अधिक काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने घोषणा की कि वह अगले सप्ताह राजधानी पेरिस में एक बैठक में यूरोपीय नेताओं को आमंत्रित करेंगे, ताकि स्थाई शांति लाने की योजना पर काम किया जा सके, जिसमें रूस को फिर से आक्रमण करने से रोकने के लिए यूक्रेन में शांति सेना तैनात करना शामिल हो सकता है।

एयरोस्पेस विनिर्माण को बढ़ावा देने की कवायद तेज

बेलगावी (कर्नाटक)। देश के एयरोस्पेस उद्योग में नवाचार और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मैगेलन एयरोस्पेस कार्पोरेशन और एक्वस प्राइवेट लिमिटेड ने बेलगावी एयरोस्पेस क्लस्टर (बीएससी) में 50:50 संयुक्त स्वामित्व वाली सैंड कार्स्टिंग सुविधा की स्थापना की सभावनओं का पता लगाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह प्रस्तावित सुविधा वाणिज्यिक और रक्षा दोनों क्षेत्रों की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित की जाएगी। वर्तमान में भारत

मैगेलन एयरोस्पेस कार्पोरेशन और एक्वस प्राइवेट लिमिटेड ने करार पर हस्ताक्षर किए

में एयरोस्पेस-योग्य एनएडीसीएपी प्रमाणित सैंड कार्स्टिंग सुविधाओं की कमी है। ऐसे में यह पहल देश और दक्षिण पूर्व एशिया के एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। भारत में मेक इन इंडिया और उड़ान योजना जैसी पहलों से एयरोस्पेस उद्योग में विकास करने के लिए भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

यातायात के कारण, इस संयुक्त उद्यम से देश में एयरोस्पेस विनिर्माण के विस्तार को गति मिलने की उम्मीद है। यह पहली बार नहीं है जब मैगेलन और एक्वस एक साथ आए हैं। वर्ष 2007 में दोनों कंपनियों ने एयरोस्पेस प्रोसेसिंग इंडिया की स्थापना की थी, जो एयरोस्पेस और बोर्डिंग द्वारा अनुमोदित भारत की पहली थर्ड-पार्टी सरफेस ट्रीटमेंट सुविधा है। इसके अलावा वर्ष 2024 में दोनों कंपनियों ने कर्नाटक में विमान इंजन के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमओओ) सुविधा विकसित करने के लिए भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।



हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में आए विनाशकारी भूकंप के 120 साल पूरे

1905 में आए भूकंप के निशान अब तक बाकी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में 1905 में आए विनाशकारी भूकंप के 120 साल पूरे होने का रहे हैं, लेकिन इस त्रासदी के निशान और असर अभी तक बने हुए हैं। कांगड़ा में 1905 में आया भूकंप भारतीय इतिहास के सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक है। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.8 से 7.9 के बीच मापी गई थी और इसमें 20,000 से अधिक लोग मारे गए थे। इस भूकंप से करीब 53,000 पालतू जानवर मारे गए और लगभग 100,000 इमारतें मलबे में तब्दील हो गयी थी। जलसेतु नेटवर्क सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के पूर्ण रूप से ध्वस्त होने के कारण लंबे समय तक पीड़ा और भारी आर्थिक नुकसान को दर्शा कांगड़ा ने डोला है। अतिरिक्त साचिव राजस्व और आपदा प्रबंधन बलवान चंद ने सभी विभागाध्यक्षों को

लिखे एक पत्र में कहा, पीड़ितों को सम्मानित करने और आपदा की तैयारियों को मजबूत करने के लिए, हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर आपदा जागरूकता अभियान चला रहा है। इस अभियान का उद्देश्य समुदायों, विशेष रूप से युवाओं को भूकंप की तैयारियों और लचीलापन-निर्माण उपायों के बारे में शिक्षित करना है। इस अवसर पर निर्धारित प्रमुख कार्यक्रमों में सरकारी और निजी संस्थानों में निकासी अभ्यास, सभी जिला मुख्यालयों में नागरिक एकजुटता मार्च और स्कूलों, विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में जागरूकता कार्यशालाओं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य

आकर्षण केन्द्र एक ड्रिल है, जिसमें हजारों लोग ड्रॉप, कवर एंड होल्ड अभ्यास में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त, अप्रैल में ग्राम सभा की बैठकें भूकंप-रोधी उपायों पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि स्थानीय समुदाय सुरक्षित निर्माण तकनीकों को समझें और अपनायें। अभियान में भूकंप सुरक्षा दिशा-निर्देशों का प्रसार और छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों के लिए आपातकालीन प्रोटोकॉल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है। चंद ने कहा कि पिछली आपदाओं और बढ़ते भूकंप के जोखिमों के मद्देनजर, सरकार ने भविष्य में होने वाले नुकसान को कम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को और तेज कर दिया है। राज्य आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना को नए निर्माणों, विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में अनिवार्य भूकंप-रोधी भवन

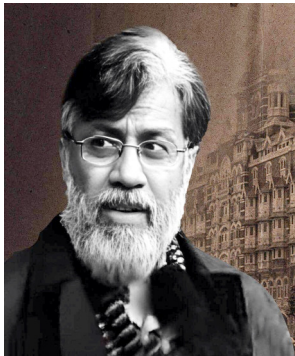
संहिताओं के साथ बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए संशोधित किया गया है। आपदा-रोधी आवास को बढ़ावा देने के लिए इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों और स्थानीय विल्डरों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राज्य में भूकंपीय निगरानी स्टेशनों की स्थापना से वास्तविक समय में अलर्ट मिलेंगे, जबकि आपदा की तैयारी को नियमित साम. दायिक अभ्यास के साथ स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 2023 के मानसून के कारण हुए भूस्खलन और आंचान आई बाढ़ में 13,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए थे, सरकार भूस्खलन-प्रभावित क्षेत्रों में असुरक्षित विकास को रोकने के लिए जलवायु-अनुकूल निर्माण और इस संबंध में सख्त कानूनों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

तहवुर राणा ने की प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग

वाशिंगटन। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 2008 के आतंकी हमले के आरोपी तहवुर राणा ने एक बार फिर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। राणा ने अपनी अपील में भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग की है।

राणा ने कहा है कि उसे भारत में प्रताड़ित किया जा सकता है, क्योंकि वह पाकिस्तान मूल का है। हाल ही में पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान ट्रंप प्रशासन ने तहवुर राणा के भारत प्रत्यर्पण की आखिरी मंजूरी दे दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया था कि उनके प्रशासन ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में अपनी भूमिका के लिए भारतीय जांच एजेंसियों की ओर से वांछित तहवुर राणा को भारत में न्याय का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित करने की मंजूरी दे दी है।

राणा ने अपने आवेदन में कहा है कि वह कई बीमारियों से पीड़ित है। वह हृदय धमनी



कौन हैं तहवुर राणा

पाकिस्तानी-कनाडाई नागरिक है तहवुर राणा मुंबई हमले की साजिश रचने का आरोपी पाकिस्तानी सेना में भी कर चुका है काम डेविड हेडली मुंबई की रेकी करने की आरोपी

विकार, पार्किंसंस और यूरिनल कैन्सर का रोगी है। राणा के वकीलों का तर्क है कि वह मुकदमे का सामना करने के लिए लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकता है। तहवुर हुसैन राणा (63 वर्षीय) पाक मूल का कनाडाई

नागरिक है। राणा, पाकिस्तानी सेना में भी काम कर चुका है और सेना में डॉक्टर रहा। हालांकि 90 के दशक में राणा कनाडा चला गया और फिर उसने वहाँ की नागरिकता ले ली थी। कनाडा से तहवुर राणा अमेरिका

पहुँचा और वहाँ उसने शिकागो में एक इमिग्रेशन कंसल्टेंसी फर्म खोली। मुंबई हमले का दोषी डेविड हेडली, तहवुर राणा का दोस्त था। दावा है कि तहवुर राणा ने ही डेविड हेडली को अपराध की दुनिया में धकेला। हेडली ने ही 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के लिए रेकी की। हेडली को बाद में अमेरिका से गिरफ्तार किया गया था। हेडली से पूछताछ में ही तहवुर राणा की मुंबई हमले में सलिपता का खुलासा हुआ था।

राणा को साल 2009 में अमेरिकी जांच एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था। मुंबई हमले से पहले डेविड हेडली ने मुंबई में ताज महल होटल और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जैसी प्रमुख जगहों की रेकी की थी। हेडली, तहवुर राणा की इमिग्रेशन कंसल्टेंसी फर्म का कर्मचारी था। जांचकर्ताओं का मानना है कि हेडली ने तहवुर राणा के इशारे पर ही ये काम किया।